हमारी भी सुनो (एकांकी)

पाठ्यपुस्तक के प्रश्न

पाठ से: सोचें और बताएँ

प्रश्न 1. पाठ के अनुसार किस-किस के विरुद्ध शिकायत की गई है?

उत्तर: पाठ के अनुसार पानी, वायु और बिजली के विरुद्ध शिकायत की गई है।

प्रश्न 2. बिजली, पानी व हवा के विरुद्ध शिकायत उचित है या अनुचित ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर: इन तीनों के विरुद्ध लोगों की शिकायत अनुचित है। क्योंकि इनमें प्रदूषण तो लोग ही फैलाते हैं और गलत उपयोग भी लोग ही करते हैं।

प्रश्न 3. पाठ के आधार पर दोषी कौन है?

उत्तर: पाठ के अनुसार हम लोग दोषी हैं, क्योंकि हम पानी, हवा एवं बिजली का दुरुपयोग करते हैं।

लिखें बहुविकल्पी प्रश्न

प्रश्न 1. किस जगह की भूमि के आस-पास कोई भी जूते पहनकर नहीं जाते थे-
(क) राज दरबार
(ख) जोहड़
(ग) बिजली घर
(घ) विवाह समारोह

उत्तर: (ख)

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. यदि शिकायत सही नहीं हुई तो इन्हें .... भी करना होगा।
2. मैं जिन लोगों के काम आता हूँ अब वे मेरी .... नहीं करते।
3. लोगों को यही शिकायत है कि पानी अब .... नहीं रहा।
4. मैं जहरीली होकर रोगों की .... बन जाती हूँ।

उत्तर: 1. दण्डित 2. रक्षा 3. निर्मल 4. संवाहक

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

लिखिए-किसने किससे कहा?

प्रश्न 1. लेकिन तुम अचानक चलकर हमारी आँखों में मिट्टी डाल देती हो।'

उत्तर: यह एक आदमी ने वायु से कहा।

प्रश्न 2. अपनी-अपनी आदतें बदलकर, अपने-अपने कर्तव्य पहचान कर, उसे पूरा कर, हम सभी को न्याये करना है।

उत्तर: यह महाराजा ने अन्त में अपने मन्त्री से कहा।

प्रश्न 3. यही कहा जा सकता है कि लोग अपने हाथों अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारते हैं।

उत्तर: यह पानी ने महाराजा से कहा।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. वर्षा के कम होने के दो कारण लिखिए।

उत्तर:

1. वृक्षों को काटकर मैदान बनाना।
2. वृक्ष काटकर वन नष्ट करना।

प्रश्न 2. कूड़ा-करकट किन-किन को दूषित कर देता है। और कैसे ?

उत्तर: कूड़ा-करकट हवा से उड़कर गलियों में फैल जाता है और वहाँ के वातावरण को दूषित कर देता है। कूड़ाकरकट पानी के खुले स्थानों, जोहड़ों तथा नदियों में पड़ता है, तो पानी गन्दा हो जाता है। इसी प्रकार पॉलिथीन उड़कर खेतों में चले जाता है, उससे मिट्टी खराब हो जाती है और फसलों को नुकसान पहुँचता है। कूड़ा-कचरा खुले में डालने से वह सब ओर बिखरकर पर्यावरण को दूषित कर देता है।

प्रश्न 3. बिजली का उपयोग कहाँ-कहाँ किया जाता है?

उत्तर: बिजली का उपयोग घरों, बाजारों एवं कल-कारखानों में किया जाता है। विवाहोत्सवों में सजावट तथा रोशनी के लिए हजारों रंग-बिरंगे बल्ब लगाये जाते हैं। इसी प्रकार अन्य समारोहों एवं उत्सवों के कार्यक्रमों

में बिजली को उपयोग बड़ी मात्रा में किया जाता है। स्ट्रीट लाइटों, बिजली । के अनेक तरह के उपकरणों एवं सुख-सुविधा के साधनों में बिजली का उपयोग बड़ी मात्रा में किया जाता है।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. 'वायु प्रदूषण' पर लेख लिखिए।

उत्तर: 'वायु प्रदूषण' पर लेख 'निबंध-लेखन' शीर्षक के अन्तर्गत निबंध संख्या दो को पढ़िए। वहाँ दिया गया है।

प्रश्न 2. बिजली बचाने के कई तरीके इस पाठ में आये हैं, उन्हें विस्तारपूर्वक लिखिए।

अथवा

हमें बिजली बचाने हेतु किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर: देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए बिजली को बचाना जरूरी है। बिजली बचाने के अनेक उपाय किये जा सकते हैं। यथा-

1. समारोहों, उत्सवों एवं विवाहों के अवसर पर बिजली की सजावट कम-से-कम की जावे।
2. दीपावली आदि पर्वो एवं त्योहारों पर भी शान दिखाने की खातिर अधिक बिजली खर्च करने पर प्रतिबन्ध लगाया जावे।
3. घरों में फालतू विद्युत खर्च रोका जावे। पंखे व लाइटें जरूरत होने पर ही काम में लिये जावें।
4. दिन में बिजली का उपयोग पूरी तरह बन्द किया जावे।
5. कम बिजली खर्च करने वाले उपकरण लगाये जावें। एलईडी बल्ब या सीएफएल आदि का उपयोग अधिक किया जावे।
6. बिजली की लाइनों का रख-रखाव सही ढंग से किया जावे।
7. बिजली का अवैध उपयोग अर्थात् बिजली की चोरी रोकी जानी चाहिए।

भाषा की बात

प्रश्न 1. पाठ में 'खुद श्रीमान् बैंगन खाए, औरों को परहेज बताएँ।' कहावत आयी है। ऐसी कहावतों को लोकोक्ति व जनश्रुति भी कहते हैं। ये मुहावरों की ही भाँति अपना सामान्य अर्थ छोड़कर विशेष अर्थ प्रस्तुत करती है। उपर्युक्त लोकोक्ति का अर्थ है केवल दूसरों को सलाह देना, लेकिन उसे व्यवहार में न लाना।' आप भी अन्य लोकोक्तियाँ ढूँढ़कर वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

उत्तर:

- बहता पानी और रमता जोगी अच्छा होता है: रामू और श्यामू नाली का पानी रोककर उसे दूसरी ओर मोड़ना चाहते हैं, परन्तु इससे वहाँ पर कीचड़ और गन्दगी फैलने लग गई है। यह आचरण ठीक नहीं है, क्योंकि बहता पानी और रमता जोगी अच्छा होता है।
- वायु बनकर बहे, आँधी बनकर अँधेरा न लाए: पुलिस वाले हर किसी पर डंडा चलाना अपना अधिकार मानते हैं। वे लोगों के रक्षक बनकर रहें, परन्तु रक्षक की जगह भक्षक और नुकसान पहुँचाने वाले न बनें। कहा भी जाता है कि वायु बनकर बहे, आँधी बनकर अँधेरा न लाये।

प्रश्न 2. पाठ में 'मनोरंजन' शब्द आया है जिसका संधि विच्छेद, मनः + रंजन है। यहाँ विसर्ग (:) के बाद 'र' आने पर विसर्ग (:) का 'ओ' हो गया है। यह विसर्ग संधि का उदाहरण है। अपने अध्यापकजी की मदद से निम्नलिखित शब्दों का संधि विच्छेद कीजिए
यशोगान वयोवृद्ध सरोज
मनोहर पुरोहित तपोबल

उत्तर:
यशोगान – यश: + गान
वयोवृद्ध – वयः + वृद्ध
सरोज – सरः + ज
मनोहर – मनः + हर
पुरोहित – पुरः + हित
तपोबल – तपः + बल

प्रश्न 3. निम्नलिखित अनुच्छेद में उचित विराम चिह्न लगाइए-
अरे आप लोगों को लड़ने-झगड़ने के अलावा कोई काम नहीं है क्या दादी बोली अनुराग तो चुप रह गया राधिका बोली मनीषा कहती है इस जमाने में लड़ना बुरी बात है। और आप ही ने तो एक दिन कहा था सत्य की रक्षा के लिए लड़ना हमारा धर्म है।

उत्तर:
"अरे! आप लोगों को लड़ने-झगड़ने के अलावा कोई काम नहीं है क्या?" दादी बोली, "अनुराग तो चुप हो गया।" राधिका बोली, मनीषा कहती है, इस जमाने में लड़ना बुरी बात है और आप ही ने तो एक दिन कहा थासत्य की रक्षा के लिए लड़ना हमारा धर्म है।"

प्रश्न 4. पाठ के आधार पर निम्नलिखित को पात्र मानकर एक-एक पृष्ठ में संवाद लिखिए
(क) पैन और कॉपी
(ख) चॉक और ब्लेक बोर्ड।

उत्तर:
(क) पैन – अरी कॉपी, तू बन्द क्यों है?
कॉपी – मुझे कोई खोले, तो मैं खुल जाती हूँ।
पैन – मुझे तुझ पर कुछ लिखना है।

कॉपी – काम की या ज्ञान की बातें ही लिखना।
पैन – मैं कुछ भी लिखें, तुझसे क्या मतलब?
कॉपी – मतलब है, तभी तो टोक रही हूँ।
पैन – अच्छा, तुझ पर एक अच्छी कविता लिखता हूँ।
कॉपी – केवल कविता लिखना, कोरी गप्प मत लिखना। इत्यादि।

(ख) चॉक – अरे ब्लेक बोर्ड, तू आज खुरदरा क्यों लग रहा है?
ब्लेक बोर्ड – आज किसी ने मेरी स्वच्छता पर ध्यान ही नहीं दिया।
चॉक – चल, तेरी ऐसी ही छाती पर लिख लेता हूँ।
ब्लेक बोर्ड – बस ! लिखता तो तू रोज है !
चॉक – यह तो मेरी मर्जी है।
ब्लेक बोर्ड – चॉक भाई, आज कोई सुन्दर चित्र बना दे।
चॉक – कौन-सा चित्र?
ब्लेक बोर्ड – वही, एक पेड़ पर कोयल कूक रही है, उसका चित्र इत्यादि।
चॉक – अच्छा, वही चित्र बना देता हूँ।

पाठ से आगे

प्रश्न 1. इस एकांकी में आया है "पानी का पानी उतर गया है।" पानी का पानी उतरने से क्या आशय है?

उत्तर: इसका आशय है, पानी ने अपनी निर्मलता छोड़ दी है, वह बेशर्म हो गया है।

प्रश्न 2. यदि पानी नहीं हो, तो हमारा जीवन कैसा होगा? लिखिए।

उत्तर: यदि पानी नहीं हो, तो धरती पर जीवन नहीं रहेगा। पानी के बिना न तो पेड़-पौधे रह पायेंगे, न जीव-जन्तु, न मानव जीवित रह सकेगा। धरती पर पानी है, तभी यहाँ पर सारे जीव-जन्तु एवं प्रकृति जीवित है। अन्य अनेक ग्रह ऐसे हैं जहाँ पानी नहीं है, तो वहाँ पर जीवन भी नहीं है। पानी के न होने पर तो कुछ भी नहीं रह सकेगा।

प्रश्न 3. जिस समय बिजली का आविष्कार भी नहीं हुआ था, उस समय भी लोग रोशनी करते थे। उन साधनों की सूची बनाइए।

उत्तर: जब बिजली का आविष्कार नहीं हुआ था, तब लोग।

1. सूखी लकड़ी या सूखी घास को जला कर रोशनी करते थे।
2. पहाड़ी क्षेत्रों में बांस या रिंगाल के गट्ठर बनाकर उन्हें जलाकर रोशनी की जाती थी।
3. सरसों का तेल या अन्य तरह के खाद्य तेल के दीपक जलाये जाते थे।

4. घी के बड़े-बड़े दीपक जलाये जाते थे।
5. चूना, पानी एवं नौसादर आदि के निश्चित मिश्रण से दीपक जलाये जाते थे।
6. मिट्टी के तेल का आविष्कार होने से चिमनी, लालटेन एवं पेट्रोमेक्स से रोशनी की जाती थी।
7. मोमबत्ती एवं खनिज तेलों के उपयोग से रोशनी की जाती थी।
8. अभी भी ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली न होने से चिमनी, लालटेन या दीपक से रोशनी की जाती है।

चर्चा कीजिए-

प्रश्न 1. हम बिजली व पानी को कैसे बचा सकते हैं?

उत्तर: बिजली बचाने के उपाय 'दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न' दो के उत्तर में दिये गये हैं। वहाँ देखिए। पानी को इन उपायों से बचाया जा सकता है-

1. भूगर्भ से कम मात्रा में पानी निकाला जावे।
2. वर्षा का पानी भूगर्भ में डाला जावे।
3. कुओं, तालाबों एवं जोहड़ों को स्वच्छ रखा जावे।
4. नदियों में गन्दगी नहीं डाली जावे।
5. बाग-बगीचों में जरूरत से ज्यादा पानी न बहाया जावे।
6. नहरों के पानी का सही उपयोग किया जावे।
7. पानी व्यर्थ में बहने नहीं दिया जावे।
8. पेयजल-स्रोतों को रासायनिक अम्लों के संक्रमण से बचाया जावे।

प्रश्न 2. वायु प्रदूषण एवं जल-प्रदूषण को रोकने के उपायों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्नोत्तर तथा पूर्वोक्त प्रश्नोत्तर को देखकर स्वयं चर्चा कीजिए।

तब और अब

प्रश्न 1. नीचे लिखे शब्दों के मानक रूप लिखिए-
सिद्ध, विरुद्ध, चिह्न, मैं, नहीँ।

उत्तर:
सिद्ध – सिद्ध
विरुद्ध – विरुद्ध
चिह्न – चिह्न
मैं – मैं
नहीं – नहीं

अन्य महत्त्वपूर्ण प्रश्न

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

प्रश्न 1. ‘हमारी भी सुनो’ पाठ है-
(क) कहानी
(ख) एकांकी
(ग) व्यंग्य रचना
(घ) यात्रा वृत्तान्त

प्रश्न 2. महाराजा के दरबार में पहली शिकायत किसकी हुई?
(क) पानी की
(ख) बिजली की
(ग) वायु की
(घ) मन्त्री की

प्रश्न 3. जल अनुशासनहीन होकर क्या लाता है?
(क) आँधी
(ख) वर्षा
(ग) बाढ़
(घ) अकाल

प्रश्न 4. रोगों की संवाहक कौन बन जाती है?
(क) स्वच्छ हवा
(ख) धूलभरी हवा
(ग) बगीचे की हवा
(घ) कारखानों की गैस

प्रश्न 5. बिजली का सबसे ज्यादा दुरुपयोग किसे माना गया है?
(क) घर में पंखा चलाते रहना
(ख) दिन में बल्ब जलाये रखना
(ग) दिन में स्ट्रीट लाइटें जलती रहना।
(घ) कम वोल्टेज में मोटर चलाना।

उत्तर: 1. (ख) 2. (क) 3. (ग) 4. (घ) 5. (ग)

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 6. महाराज के सामने पहले किसका वाद प्रस्तुत किया गया?

उत्तर: महाराज के सामने पहले पानी का वाद प्रस्तुत किया गया।

प्रश्न 7. जल-पूजन के नाम पर किन्हें और कैसे दूषित किया जाता है?

उत्तर: जल-पूजन के नाम पर नदी, कुएँ एवं नहरों में अवांछित वस्तुएँ फेंक कर दूषित किया जाता है।

प्रश्न 8. पानी पर रासायनिक आक्रमण किस तरह होता है?

उत्तर: कारखानों से निकली गन्दगी एवं अम्लीय अपशिष्ट पानी में डाली जाती है, इससे पानी पर रासायनिक आक्रमण होता है।

प्रश्न 9. कहाँ के कारखाने से निकली जहरीली गैस से हजारों लोग मारे गये थे?

उत्तर: भोपाल के एक कारखाने से निकली जहरीली गैस से हजारों लोग मारे गये थे।

प्रश्न 10. बिजली को हत्यारिणी क्यों कहा गया है?

उत्तर: बिजली के तारों से चिपक कर पक्षी मर जाते हैं, इसके खंभों से करंट खाकर पशु एवं मनुष्य मर जाते हैं। इसी से बिजली को हत्यारिणी कहा गया है।

लघूत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 11. पानी हमेशा ढलान की तरफ ही क्यों बहता है? समझाइये।

उत्तर: पृथ्वी के मध्य एक आकर्षण बल उपस्थित होता है। जिसे गुरुत्वाकर्षण बल कहते हैं। इस बल की उपस्थिति के कारण ही पानी हमेशा ढलान की ओर बहता है।

प्रश्न 12. 'हमारी भी सुनो' पाठ में वर्णित जनता की शिकायतों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: 'हमारी भी सुनो' एकांकी पाठ में जनता ने जल, हवा और बिजली के विरुद्ध महाराजा से शिकायत की थी। पानी से जनता को शिकायत है कि वह अब निर्मल नहीं रहा। वह अपने साथ गन्दगी बहा कर दूर-दूर तक फैलाता है। साथ ही यह कहीं बरसता है, कहीं नहीं बरसता है। इसके साथ ही यह अनुशासनहीन हो गया और बाढ़ लाता वायु से जनता को शिकायत है कि यह अब सुगंध की जगह दुर्गंध फैलाती है। यह आँधी बन कर आती है और साफ-सुथरे घरों को गन्दा कर देती है। आँखों में मिट्टी डाल देती है। बिजली से

जनता को शिकायत है कि यह बार-बार चली जाती है जिससे अंधेरा हो जाता है। इसकी शक्ति भी अनियंत्रित रहती है। यह कभी तेज होकर फ्यूज उड़ा देती है और कभी इसके वोल्टेज इतने कम हो जाते हैं जिससे पंखा, कूलर और मोटर भी नहीं चलते। यह हत्यारिन भी है। प्रतिदिन न जाने कितने पक्षी, मनुष्य और पशु इसके करंट से मर जाते हैं।

प्रश्न 13. गाँव के जोहड़ का पानी कैसे दूषित हो रहा है?

उत्तर: गाँव के जोहड़ के पास लोग कूड़ा फेंक देते हैं। वर्षा के समय में वह कूड़ा जोहड़ के पानी में मिल जाता है। गाँव के लोग पीने योग्य पानी में अपने पशुओं को नहलाते हैं। इससे जोहड़ के आसपास कीचड़ हो जाता है और उसका पानी दूषित हो रहा है।

प्रश्न 14. गाँव में बाढ़ आने का क्या कारण बताया गया है?

उत्तर: गाँव के पास में जो पहाड़ था, लोगों ने वहाँ के सारे वृक्षों को काट दिया। इससे वहाँ पर अधिक ढलान बन गया। नीचे नाले के रास्ते में लोगों ने घर-कारखाने बना दिये। इसलिए वर्षा का पानी पहाड़ से तेजी से नीचे उतरता है और वह अनियन्त्रित हो जाता है। इसी कारण गाँव में बाढ़ आ जाती है।

प्रश्न 15. "वायु पहले की तरह सुगन्ध नहीं बिखेरती है, दुर्गन्ध फैलाती है।" इस आरोप को वायु ने क्या उत्तर दिया?

उत्तर: वायु ने उत्तर दिया है कि उसके पास न तो कोई रंग है, न खुशबू है और न बदबू। लोग मरे-हुए पशु-पक्षी इधरउधर डाल देते हैं, कूड़ा-करकट बिखेर देते हैं, कारखानों से गन्दी गैस निकलती है। इन सब में घुलमिल जाने के कारण मैं भी गन्दी हो जाती हूँ। इसी कारण अब लोगों को दुर्गन्ध सुंघाई देती है। पर्यावरण के प्रदूषण से मैं भी दूषित हो रही हैं।

प्रश्न 16. बिजली ने लो वोल्टेज होने का कारण क्या बताया?

उत्तर: बिजली ने बताया कि नगरों की सड़कों एवं गलियों में दिन में भी स्ट्रीट लाइटें जलती रहती हैं। घरों में भी बिना जरूरत के पंखे, बल्ब आदि उपकरण चलते रहते हैं। बड़े भवनों के कई कक्षों में लाइटें जलती रहती हैं। इस तरह बिना उपयोग के बिजली खर्च की जाती है। इसी से बिजली की कमी या वोल्टेज की कमी हो जाती है।

प्रश्न 17. बिजली को हत्यारिणी बताने पर उसने क्या उत्तर दिया?

उत्तर: ब्रिजली ने उत्तर दिया कि लोगों ने वृक्षों को काटकर पक्षियों के घर उजाड़ दिये हैं, उनके बैठने के स्थान छीन लिये हैं। वे उड़ते-उड़ते थककर विश्राम के लिए बिजली के तारों पर बैठ जाते हैं, तो कभी-कभी मौत के शिकार हो जाते हैं। लोग असावधानी रखकर बिजली के खम्भों से अपने पशुओं को बाँध देते हैं, इस कारण वे करंट के शिकार हो जाते हैं। इस तरह की दुर्घटनाएँ होने में मेरा कोई कसूर नही है।

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न 18. 'हमारी भी सुनो' पाठ से क्या शिक्षा या सन्देश दिया गया है?

उत्तर: 'हमारी भी सुनो' पाठ एकांकी है। इसमें पानी, वायु और बिजली को पात्र रूप में प्रस्तुत कर बताया गया है कि वर्तमान में लोग पानी के स्रोतों को दूषित कर रहे हैं, बिजली का दुरुपयोग कर रहे हैं। गन्दगी फैलने से पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है। यह एक विकट समस्या बन गयी है। अतएव पर्यावरण को बचाने के लिए, इसकी रक्षा के लिए यह जरूरी है कि पानी के सभी स्रोतों को स्वच्छ रखें। कारखानों एवं वाहनों से निकलने वाली गन्दी गैसों पर नियन्त्रण रखें तथा बिजली का सदुपयोग करना सीखें। पर्यावरण की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। सभी नागरिकों को अपने दोषों या गलतियों का एहसास होना चाहिए और कर्तव्यों का सही ढंग से पालन करना चाहिए।

प्रश्न 19. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए

(क) जहाँ मेरे सुस्ताने की पुरानी जगह होगी, वहाँ तो मैं जाऊँगा ही। इन लोगों ने ऐसे स्थानों पर अपने ग्राम-नगर बसा लिए हैं। ऐसे घर तो डूबेंगे ही। मैं इनकी बनाई गलियो नालियों में घूमता रहूँ। यह कैसे संभव है? ये लोग स्वयं | अनुशासन में नहीं रहते और मुझसे इसकी आशा करते हैं।

प्रश्न.
(i) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) उन जगहों पर लोगों ने क्या बसा लिये हैं ?
(iii) क्या सम्भव नहीं है?
(iv) कौन लोग अनुशासन में नहीं रहते हैं?

उत्तर:
(i) शीर्षक-पानी का बहाव।
(ii) उन जगहों पर लोगों ने अपने ग्राम एवं नये नगर बसा लिये हैं।
(iii) पानी का बहाव गलत ढंग से बनायी गई नालियों एवं गलियों में ही घूमता रहे, यह सम्भव नहीं है।
(iv) नये ग्रामों एवं नगरों को बसाने वाले लोग तथा सामान्य जनता अनुशासन में नहीं रहती है।

(ख) मैं कूड़ा-कचरा तलाश नहीं करती हूँ। ये लोग ही उसे मेरे रास्ते में डाल देते हैं। मेरे राह में पुष्प होंगे तो मेरे साथ सुगंध उड़ेगी, गंदगी होगी तो । ये लोग अपने घर-दुकान की सफाई कर कूड़ा सड़क पर डाल देते हैं। मेरे साथ उड़कर कूड़ा वापस इनके घरों में चला जाता है। पॉलिथीन उड़कर खेतों में चला जाता है।

प्रश्न.
(i) उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।
(ii) सुगन्ध और बदबू होने के क्या कारण हैं? बताइये।
(iii) सड़क का कूड़ा वापस कहाँ चले जाता है?
(iv) खेतों को नुकसान कौन पहुँचाता है?

उत्तर:
(i) शीर्षक-कूड़ा-कचरा का दुरुपयोग।
(ii) अच्छी एवं सुगन्ध वाली चीजों से सुगन्धित हवी तथा गन्दी चीजों से बदबू वाली हवा बहती है। यही इसका मूल कारण है।
(iii) सड़क का कूड़ा हवा के झोंकों के साथ वापस लोगों के घरों में चले जाता है।
(iv) पॉलिथीन उड़कर खेतों में चला जाता है, वह खेतों को नुकसान पहुँचाता है।

हमारी भी सुनो। पाठ-सार

यह पाठ पर्यावरण-प्रदूषण की समस्या पर आधारित एकांकी है। वर्तमान में पानी, हवा और बिजली ! का दुरुपयोग हो रहा है। चारों ओर प्रदूषण फैल रही है। प्रदूषण को रोकना हमारा कर्तव्य है। इस एकांकी में पानी, हवा एवं बिजली के प्रदूषण को रोकने का सन्देश दिया गया है।

कठिन शब्दार्थ-संरक्षण = बचाना, रक्षा करना। आपराधिक = अपराधों से सम्बन्धित। वाद = मुकदमा। समक्ष = सामने। प्रतिष्ठा = इज्जत, सम्मान। कुपित = नाराज, क्रोध से भरा। निर्मल = स्वच्छ। रमता = जगह-जगह घूमकर मन लगाने वाला। अवांछित = अनचाहा। जोहड़ = कच्चा तालाब। रासायनिक = विभिन्न पदार्थों के मिश्रण से बने नये पदार्थ। अपने पाँव कुल्हाड़ी मारना = अपने हाथ से अपनी हानि करना। अनुशासन = नियमों का पालन। प्रदूषण = गन्दगी फैलना, दूषित होना। संवाहक = ले जाने वाला। प्राणहारी = प्राणों को नष्ट करने वाला। प्रत्युत्तर = उत्तर के बदले जवाब। आमोद-प्रमोद = हँसी-खुशी। दीप-माला = दीपावली। हत्यारिणी = हत्या करने वाली। अवैध = नियम-कानून के विरुद्ध।